आपदा समाचार

उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (UP SDMA)

VOLUME - I

MAY 2025

HEAT WAVE

गर्मी और लू के विरुद्ध तैयारी
समय रहते सतर्कता, जीवन की सुरक्षा

(PREPAREDNESS AGAINST HEATWAVES TIMELY VIGILANCE, SAVING LIVES)

upsdma@gmail.com @UP_SDMA @sdmaup9884 @UP SDMA Lucknow

लेफ्टिनेंट जनरल योगेंद्र डिमरी
पी.वी.एस.एम., ए.वी.एस.एम., वी.एस.एम., (से.नि.)
Lt Gen Yogendra Dimri
PVSM, AVSM, VSM (Retd)
उपाध्यक्ष/Vice Chairperson

उ.प्र. राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण
U.P. State Disaster Management Authority
बी-1 ब्लॉक, प्रथम तल, पिकप भवन, विभूति खण्ड,
गोमती नगर, लखनऊ-226010
B-1 Block, First Floor, PICUP Bhawan, Vibhuti Khand,
Gomtinagar, Lucknow-226010

संदेश

प्रिय पाठकों,

उ. प्र. राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की पत्रिका आपदा समाचार के माध्यम से आप सभी से संवाद करना मेरे लिए गर्व का विषय है। यू.पी.एस.डी.एम.ए. में अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए मेरा निरंतर प्रयास रहा है कि प्रदेश को आपदा न्यूनीकरण, तैयारी और क्षमता निर्माण के क्षेत्र में अधिक सशक्त और संवेदनशील बनाया जाए।

गर्मी के मौसम में लू एक गंभीर स्वास्थ्य आपदा का रूप ले सकती है, विशेषकर हमारे बुजुर्गों, बच्चों और कमजोर वर्गों के लिए। जलवायु परिवर्तन की वर्तमान परिस्थितियों में हीट वेव की तीव्रता और अवधि में वृद्धि हो रही है, जिससे इसका प्रबंधन और भी महत्वपूर्ण हो गया है।

इस पत्रिका के माध्यम से आम जनमानस को हीट वेव से बचाव, तैयारी और त्वरित प्रतिक्रिया के विषय में जागरूक करना साथ ही, यह संस्करण हमारे आपदा प्रबंधन विशेषज्ञों, फील्ड अधिकारियों और स्वास्थ्य कर्मियों के अनुभवों और सुझावों को भी साझा करता है, जिससे एक सामूहिक जागरूकता और क्रियान्वयन की दिशा में प्रगति हो सके।

हम आप सभी से आग्रह करते हैं कि लू से संबंधित चेतावनियों का पालन करें, नियमित जल सेवन करें, दोपहर की तेज धूप से बचें, और जरूरतमंद लोगों तक यह जानकारी पहुँचाएँ। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें।

आपका सहयोग ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।

सादर,

(उपाध्यक्ष),
उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

Editor
Dr. Kaneez Fatima
Project Director (Drought), UP SDMA

Technical Support
Mr. Prashant Kumar
Project Associate, UP SDMA

हीटवेव: उत्तर प्रदेश में प्रभाव और समाधान

श्रीमती प्रियंका द्विवेदी
प्रोजेक्ट एक्सपर्ट (एग्रीकल्चर)

हीटवेव (लू)

हर वर्ष गर्मियों के मौसम में उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में अत्यधिक तापमान का प्रकोप देखने को मिलता है। जब यह स्थिति सामान्य से अधिक दिनों तक बनी रहती है और तापमान 45°C या उससे अधिक पहुँच जाता है, तो इसे हीटवेव या लू कहा जाता है। बढ़ते तापमान के कारण इसका प्रभाव हमारे शरीर एवं आस-पास के वातावरण पर भी दिख रहा है |

1. मानव जीवन पर प्रभाव

» **स्वास्थ्य समस्याएं:** लू के कारण हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन (निर्जलीकरण), चक्कर आना और थकावट जैसी समस्याएँ आम हो जाती हैं। सबसे अधिक प्रभावित वर्ग: वृद्धजन, छोटे बच्चे, दिहाड़ी मजदूर, किसान है । शहरी क्षेत्रों में अर्बन हीट आइलैंड प्रभाव और ग्रामीण इलाकों में पानी व बिजली की कमी स्थिति को और गंभीर बना देती है।

बचाव के उपाय:

- दोपहर 12 से 3 बजे तक बाहर जाने से बचें।
- शरीर को ढककर रखें, हल्के रंग के कपड़े पहनें।
- पानी, नींबू-पानी और ORS का सेवन करें।

2. कृषि क्षेत्र पर प्रभाव

» **फसलों पर असर:** हीटवेव के कारण धान, गेहूं, सब्जियाँ और फलों की फसलें झुलसने या सूखने लगती हैं। भूमि की नमी कम होने से सिंचाई की आवश्यकता बढ़ जाती है, परंतु जल स्रोतों का सूखना संकट को और बढ़ा देता है।

» **बीज और अंकुरण पर प्रभाव:** अधिक तापमान से अंकुरण रुक सकता है या रोपाई में देरी होती है।

बचाव के उपाय:

- दोपहर 12 से 3 बजे तक बाहर जाने से बचें।
- शरीर को ढककर रखें, हल्के रंग के कपड़े पहनें।
- पानी, नींबू-पानी और ORS का सेवन करें।

3. पशुधन पर प्रभाव

» **पानी और चारे की कमी:** अधिक तापमान से हरे चारे की उपलब्धता कम हो जाती है और पशुओं को जल संकट का सामना करना पड़ता है।

» **दूध उत्पादन में कमी:** गर्मी के कारण गाय-भैंसों का खानपान और उत्पादकता प्रभावित होती है।

» **बीमारियों का खतरा:** लू, त्वचा रोग और हीट स्ट्रेस जैसी समस्याएँ आम हो जाती हैं।

बचाव के उपाय:

- पशुओं को छाया और ठंडा पानी उपलब्ध कराएँ।
- वेंटिलेटेड और हवादार पशु आश्रय बनाएं।
- नियमित रूप से पशु चिकित्सकों से परामर्श लें।

4. अन्य क्षेत्रों पर प्रभाव

» **बिजली आपूर्ति पर दबाव:** AC, कूलर और पंखों की अधिक खपत से ग्रिड पर लोड बढ़ता है, जिससे लोड शेडिंग की समस्या आती है।

» **शहरों में गर्मी का तीव्र प्रभाव:** सीमेंट की इमारतें, हरियाली की कमी और सूखे जल स्रोत शहरी तापमान को और बढ़ा देते हैं।

» **आर्थिक प्रभाव:** मजदूरों का कार्य समय प्रभावित होता है, जिससे आर्थिक नुकसान होता है और पर्यटन भी घटता है।

बचाव के उपाय:

- शहरों में वृक्षारोपण, कूल रूफ और वर्षा जल संचयन को बढ़ावा दें।
- कार्य स्थलों पर छाया, पानी और प्राथमिक चिकित्सा की व्यवस्था करें।

हीटवेव का उदाहरण – आंध्र प्रदेश

- आंध्र प्रदेश, भारत के दक्षिणी राज्यों में से एक, अक्सर भीषण गर्मी की चपेट में रहता है। 2002 और 2015 की हीटवेव घटनाएँ राज्य के लिए विनाशकारी साबित हुईं |
- 2002 में तापमान 50°C तक पहुंचा, जिससे 1,030 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई।
- 2015 में हीटवेव से 1,735 लोगों की जान गई, जो उस समय भारत में सबसे अधिक थी।
- प्रभावित वर्ग: गरीब, वृद्ध, बच्चे और खुले में काम करने वाले मजदूर, किसान |
- सरकारी उपाय: लोगों को टोपी पहनने, हल्के रंग के कपड़े पहनने, घर के अंदर रहने और पर्याप्त पानी पीने की सलाह दी गई।

समाधान और अनुकूलन रणनीतियाँ

हीट एक्शन प्लान: आंध्र प्रदेश सरकार ने "हीट एक्शन प्लान" लागू किया, जिसमें जन-जागरूकता, जल आपूर्ति, प्राथमिक चिकित्सा केंद्र, और शीतलन केंद्रों (Cooling Centres) की स्थापना शामिल है।

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा: सरकार ने प्राकृतिक खेती (Natural Farming) को प्रोत्साहित किया ताकि किसान हीटवेव और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से अपनी फसलों की रक्षा कर सकें।

निष्कर्ष:
उत्तर प्रदेश जैसे घनी आबादी वाले राज्य में हीटवेव एक गंभीर चुनौती है। इसका प्रभाव केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं, बल्कि कृषि, पशुपालन, उद्योग और ऊर्जा क्षेत्रों तक फैलता है। इससे निपटने के लिए सरकार, प्रशासन, किसान, नागरिक और सभी संबंधित विभागों को मिलकर काम करना होगा।समय पर चेतावनी, जन-जागरूकता, तकनीकी उपाय और आपदा प्रबंधन योजना ही इस संकट से लड़ने के प्रभावी हथियार हैं।

UP SDMA की गतिविधियां

माननीय मुख्यमंत्री जी अध्यक्षता में "हीटवेव प्रबंधन, जल संरक्षण और सूखा नियंत्रण" विषय पर सभी स्टेकहोल्डर विभागों के साथ बैठक एवं उत्तर प्रदेश राज्य हीट एक्शन प्लान–2025 के साथ-साथ लखनऊ, आगरा और झांसी शहरों के लिए तैयार किए गए सिटी हीट एक्शन प्लान–2025 का विमोचन माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा किया गया।

उत्तर प्रदेश का हीट एक्शन प्लान 2025: गर्मी से सुरक्षा की दिशा में कदम

उत्तर प्रदेश ने वर्ष 2016 में हीटवेव की गंभीरता को पहचानते हुए इसे राज्य स्तरीय आपदा के रूप में अधिसूचित किया था। तब से उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (UPSDMA) ने बढ़ते तापमान के प्रभावों को कम करने के लिए कई सक्रिय कदम उठाए हैं। राज्य ने "हीट एक्शन प्लान 2025" तैयार कर सभी राज्य विभागों और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों (DDMA) को जारी किया है। इसके प्रभावी कार्यान्वयन के लिए अधिकारियों का अभिमुखीकरण संवेदनशील (sensitize) किया गया है ताकि समय रहते तैयारी और प्रतिक्रिया सुनिश्चित हो सके।

प्रदेश के सभी जिलों ने स्थानीय परिस्थितियों और संसाधनों के अनुरूप हीट एक्शन प्लान तैयार किए हैं, जिससे जमीनी स्तर पर समन्वित और प्रभावी कार्रवाई संभव हो सके। इन प्रयासों से उत्तर प्रदेश ने राज्य और जिला स्तर की रणनीतियों को एकीकृत कर कमज़ोर आबादी की सुरक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभावों में कमी की दिशा में अपनी लचीलापन (resilience) को मजबूत किया है। यह सामूहिक प्रयास राज्य की आपदा प्रबंधन और नागरिक सुरक्षा के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

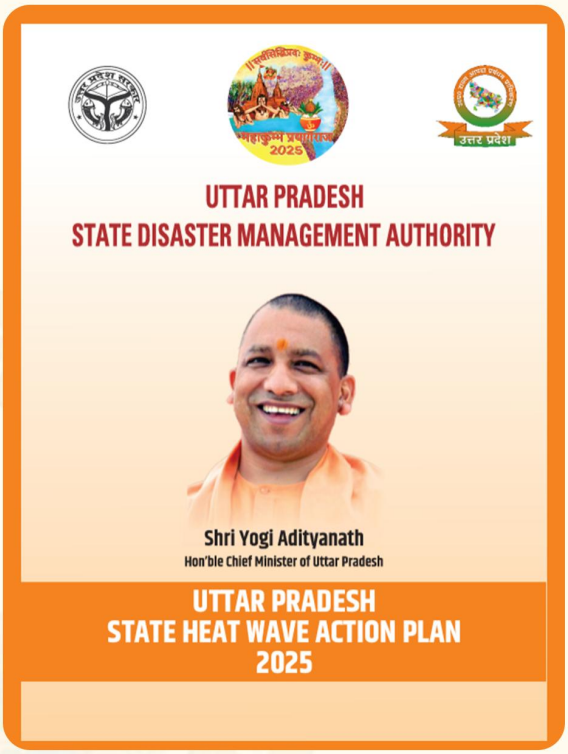

हीटवेव क्षमता निर्माण उत्तर प्रदेश-2025

राज्य स्तरीय अंतर-विभागीय कार्यशाला: मार्च 2025 में उत्तर प्रदेश में एक राज्य स्तरीय अंतर-विभागीय कार्यशाला आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य "उत्तर प्रदेश हीट एक्शन प्लान–2025" के तहत तैयारियों और समन्वय को सुदृढ़ करना था। इस कार्यशाला में स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा, ऊर्जा, शहरी विकास, जल संसाधन, पर्यावरण, पशुपालन, परिवहन, सूचना, राहत, पुलिस सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यशाला के माध्यम से विभागों के बीच समन्वय, साझा समझ और सहयोग को बढ़ावा मिला, जिससे राज्य में हीटवेव प्रबंधन की तैयारी को और प्रभावी बनाया जा सके।

उ०प्र० राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा किसान भाईयों हेतु जनहित में जारी की गयी हीटवेव संबंधी एडवाइजरी

- खेतों में काम करते समय एवं बाहर जाते समय पानी की बोतल साथ में रखें।
- सुबह जल्दी या शाम को ही खेतों में काम करें। दोपहर की धूप में बाहर जाने से बचें।
- सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से खेतों एवं खलिहानों के आस-पास धूमपान न करें।
- दिन भर में अत्यधिक तरल पदार्थ जैसे नींबू पानी, छाछ, शरबत, शिकंजी इत्यादि का सेवन करें।

गर्मी में फसलों को आग से बचाना किसानों के लिए बड़ी चुनौती होती है।
यहाँ कुछ सावधानियाँ दी जा रही हैं जो फसलों को आग से बचाने में मदद कर सकती हैं:

गर्मी में फसलों को आग से बचाने के उपाय

» **खेत के चारों ओर फायर लाइन बनाएं:**
3-5 मीटर चौड़ी खाली जगह रखें ताकि आग फैल न सके

» **पराली (फसल अवशेष) जलाने से बचें:**
यह आग फैलाने का सबसे बड़ा कारण बन सकता है, इसकी जगह पराली को खाद या बायोगैस के लिए इस्तेमाल करें

» **सूखी घास और झाड़ियों को हटाएं:**
खेत के आसपास सूखी घास या कचरा न जमा होने दें

» **बिजली के तारों की जाँच करें:**
खेतों में लगे बिजली के तार पुराने या ढीले हों तो तुरंत बदलवाएं

» **पानी की व्यवस्था रखें:**
नलकूप या पानी के टैंक को तैयार रखें ताकि ज़रूरत पड़ने पर तुरंत इस्तेमाल हो सके

» **ग्राम पंचायत और फायर ब्रिगेड से तालमेल रखें:**
कोई घटना हो तो तुरंत सूचना दें और मिलकर काम करें

ट्रांसफार्मर के आसपास 10 फीट दूरी तक फसल काट लें किसान

जासं • श्रावस्ती: गेहूं की फसल पक कर तैयार हो रही है। ऐसे में आग लगने से खेतों में फसल के जलने की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए विद्युत विभाग ने प्रयास तेज कर दिए हैं। गांवों का भ्रमण कर किसानों को जागरूक किया जा रहा है। ट्रांसफार्मर के आसपास 10 फीट तक के क्षेत्रफल की फसल काटने की अपील किसानों से की जा रही है। शुक्रवार को लक्ष्मननगर फीडर के विद्युतकर्मियों ने इसके लिए अभियान चलाया।

एक्सईएन विद्युत राजनरायन ने बताया कि सभी कर्मचारियों को निर्देश दिया गया है कि खेत में लगे ट्रांसफार्मरों के आसपास सफाई कर दें। किसानों से भी खेतों में ट्रांसफार्मर के आसपास लगे फसल को काटने की अपील की जा रही है। ट्रांसफार्मर के चारों ओर लगभग 10 फीट दूरी तक की फसल काट ली जाएगी तो ट्रांसफार्मर में स्पार्क होने पर उठने वाली चिंगारी की चपेट में फसल नहीं आएगी। फसल काटने के साथ किसान भाई इस क्षेत्रफल की गोड़ाई भी कर दें तो और बेहतर होगा।

खेत में लगे ट्रांसफार्मर के आसपास लगी फसल को कटवाते विद्युतकर्मी • जागरण

प्रत्येक वर्ष UPSDMA द्वारा हीटवेव के संबंध में किसान भाइयों को जागरूक करने हेतु स्थानीय समाचार पत्रों में एडवाइजरी प्रकाशित की जाती है|

उत्तर प्रदेश में हीटवेव से निपटने की तैयारी राज्य स्तरीय अंर्तविभागीय कार्यशाला का आयोजन

UPSDMA द्वारा "Preparedness of Uttar Pradesh State Heat Wave Action Plan 2025" विषय पर एक राज्य स्तरीय अंतर-विभागीय क्षमता निर्माण एवं संवेदनशीलता कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में राज्य के विभिन्न विभागों, संस्थानों और संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया, कार्यशाला का उद्देश्य राज्य स्तर पर विभिन्न विभागों के बीच समन्वय और जागरूकता को बढ़ाना तथा हीटवेव की तैयारी, रोकथाम और प्रतिक्रिया योजनाओं को मजबूत करना था।

"Fire Safety and Risk Management" पर राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

UPSDMA द्वारा "Fire Safety and Risk Management" विषय पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।कार्यशाला में अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं विभाग के अधिकारी, राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा महाविद्यालय, नागपुर के छात्र सहित 100 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

सत्रों में विशेषज्ञों द्वारा अग्निशमन सेवा अधिनियम–2022, जोखिम न्यूनीकरण, संवेदनशीलता विश्लेषण, समुदाय स्तर पर अग्नि तैयारी, UP-112 की भूमिका, महाकुंभ–2025 की तैयारी, तथा भवन संरचनात्मक सुरक्षा जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। यह प्रशिक्षण अग्निशमन सेवाओं की क्षमता वृद्धि और नागरिक सुरक्षा को सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने बल दिया कि अत्याधुनिक तकनीक और समन्वित योजना से बड़ी घटनाओं के दौरान जन-सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।

लखनऊ सिटी हीटवेव एक्शन प्लान 2025 पर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

UPSDMA एवं लखनऊ नगर निगम (LMC) के संयुक्त तत्वावधान में "लखनऊ सिटी हीटवेव एक्शन प्लान 2025" विषय पर एक सेंसेटाइजेशन वर्कशॉप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सरकारी एवं गैर-सरकारी संगठनों, विशेषज्ञों तथा स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों ने भाग लिया। वर्कशॉप का उद्देश्य लखनऊ शहर को हीटवेव (लू) के प्रभाव से सुरक्षित बनाने हेतु आवश्यक रणनीतियों और तैयारियों पर चर्चा करना था।

मुख्य चर्चाएँ:

हीटवेव एक्शन प्लान का क्रियान्वयन: राज्य एवं जिला स्तर पर बहु-विभागीय समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया गया।

महिला व बच्चों की सुरक्षा: यूनिसेफ ने संवेदनशील समूहों के संरक्षण के उपाय सुझाए।

स्वास्थ्य और पशुपालन की तैयारी: हीट-संबंधी बीमारियों की रोकथाम और पशुओं की देखभाल पर चर्चा हुई।

दैनिक जागरण लखनऊ, 26 मार्च, 2025

जागरण सिटी लखनऊ

लू से बचने के लिए रणनीति तैयार, अधिक से अधिक पौधे लगाने पर जोर

UP SDMA द्वारा "आपदा जोखिम न्यूनीकरण में गैर सरकारी संगठनों (NGOs) और नागरिक समाज संगठनों (CSOs) की भूमिका" पर कार्यशाला का आयोजन

UP SDMA और इंटर एजेंसी ग्रुप उत्तर प्रदेश (IAG-UP) के सहयोग से "आपदा जोखिम न्यूनीकरण (DRR) में गैर सरकारी संगठनों (NGOs) और नागरिक समाज संगठनों (CSOs) की भूमिका" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया ।

इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विभिन्न हितधारकों को एक मंच प्रदान करना है ताकि वे अपने अनुभव साझा कर सकें और लू से बचाव के लिए प्रभावी उपायों पर चर्चा एवं एक दूसरे के विचारों को साझा कर सकें।

DDMA की गतिविधियां

सेवा, सुरक्षा और सुशासन के 8 वर्ष पूर्ण होने पर प्रदेश भर में आपदा प्रबंधन गतिविधियों का आयोजन

उत्तर प्रदेश में "सेवा, सुरक्षा और सुशासन" की नीति के आठ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राज्य के विभिन्न जनपदों में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (DDMA) द्वारा जनजागरूकता, सहायता वितरण, प्रदर्शनी एवं नवाचार कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में आम जनता को जागरूक करना, सरकार की उपलब्धियों से अवगत कराना तथा आपदा से संबंधित संसाधनों व प्रयासों की जानकारी साझा करना रहा।

सेवा, सुरक्षा और सुशासन के 8 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रदेश भर में विविध आपदा प्रबंधन संबंधी गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जन-जागरूकता अभियानों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, मॉक ड्रिल्स और प्रदर्शनी के माध्यम से लोगों को आपदा के समय सुरक्षित रहने के उपायों की जानकारी दी गई। कार्यक्रमों का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग, विशेषकर युवाओं और विद्यार्थियों में आपदा प्रबंधन के प्रति सजगता और सहभागिता की भावना विकसित करना था। विभिन्न जिलों में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों द्वारा आयोजित इन गतिविधियों में भूकंप, आग, बाढ़, लू जैसी आपदाओं से बचाव और त्वरित प्रतिक्रिया की उपयोगी जानकारी साझा की गई। यह आयोजन प्रदेश की आपदा प्रबंधन प्रणाली को और अधिक मजबूत, जागरूक और संवेदनशील बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

प्रमुख कार्यक्रमों का विवरण:

बांदा जनपद में, रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज के प्रेक्षागृह में द्वितीय दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के अंतर्गत DDMA द्वारा एक विस्तृत प्रदर्शनी लगाई गई। इसमें दैवीय आपदाओं के लाभार्थियों को राज्य आपदा मोचन निधि (SDRF) के अंतर्गत सहायता चेक वितरित किए गए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री श्री नन्द गोपाल "नंदी", सदर विधायक श्री प्रकाश द्विवेदी, जिलाधिकारी श्रीमती जे. रीभा तथा अन्य जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों की उपस्थिति रही। प्रदर्शनी के माध्यम से आपदा प्रबंधन की नीतियों व क्रियान्वयन की जानकारी दी गई।

इटावा जनपद में आयोजित "इटावा महोत्सव" के अंतर्गत आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने स्टॉल के माध्यम से आम जनता को "क्या करें, क्या न करें" संबंधी जानकारियाँ दीं। हीट वेव से संबंधित पोस्टरों का वितरण किया गया और आपदा विशेषज्ञ तथा मास्टर ट्रेनर्स (राजस्व, शिक्षा विभाग) द्वारा जनपद स्तर पर किए गए कार्यों की जानकारी साझा की गई।

बाराबंकी में DDMA द्वारा प्रदर्शनी के माध्यम से सरकार की उपलब्धियों और योजनाओं को प्रदर्शित किया गया। SDMA द्वारा उपलब्ध कराए गए हीट वेव संबंधी पोस्टर आम जन और जनप्रतिनिधियों को वितरित किए गए।

अलीगढ़ में DDMA द्वारा एक प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें आपदा प्रबंधन से संबंधित जानकारियाँ साझा की गईं। कार्यक्रम में राज्य मंत्री श्री राकेश गर्ग, अपर जिलाधिकारी, अन्य अधिकारियों एवं नागरिकों की सहभागिता रही।

श्रावस्ती जनपद में एक सराहनीय नवाचार के अंतर्गत सभी सक्रिय आपदा मित्रों को रेडक्रॉस के माध्यम से व्हीलचेयर प्रदान करने की पहल की गई। माननीय राज्यपाल, उत्तर प्रदेश द्वारा प्रतीकात्मक रूप से 5 आपदा मित्रों को व्हीलचेयर प्रदान की गई, जबकि आगामी कार्यक्रम में 101 आपदा मित्रों को व्हीलचेयर वितरण की योजना बनाई गई है। इस अवसर पर हीट वेव संबंधी प्रशिक्षण पोस्टर भी प्रचार हेतु प्रदान किए गए।

पीलीभीत में भी DDMA द्वारा स्टॉल लगाकर सरकार की उपलब्धियों व योजनाओं की जानकारी दी गई। प्रदर्शनी में आपदा से बचाव संबंधित जानकारियों और संसाधनों का प्रदर्शन किया गया।

सोनभद्र जनपद में पंचायत रिसोर्स सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में माननीय मंत्री श्री सोहन लाल श्रीमाली, विधायकगण, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक व अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में DDMA द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई। SDRF/NDRF संबंधी पुस्तिकाओं व पम्फलेट का वितरण किया गया और आपदा बचाव उपकरणों का प्रदर्शन किया गया।

निष्कर्ष:
उपरोक्त कार्यक्रमों के माध्यम से उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में हो रहे प्रयासों को जन-जन तक पहुँचाया गया। जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन की सक्रिय भागीदारी से यह सिद्ध हुआ कि आपदा प्रबंधन केवल सरकारी कार्य नहीं, बल्कि सामूहिक भागीदारी का क्षेत्र है। इन आयोजनों ने न केवल जागरूकता बढ़ाई, बल्कि जनविश्वास को भी सशक्त किया।

झलकियां

जनपद- हरदोई

जनपद- भदोही

जनपद- लखीमपुर खीरी

जनपद- श्रावस्ती

जनपद- सोनभद्र

जनपद- ललितपुर

जनपद- अलीगढ़

जनपद- इटावा

जनपद- पीलीभीत

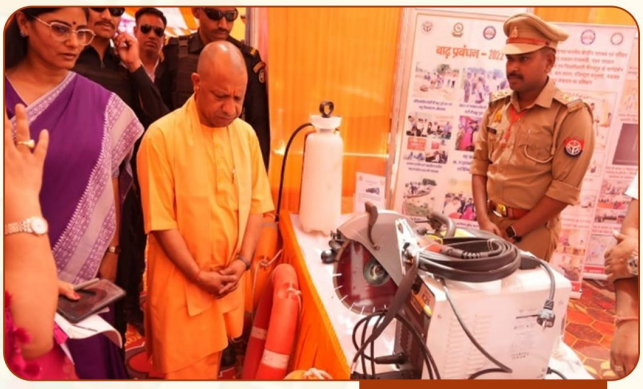

जनपद- मिर्जापुर

जनपद- बांदा

जनपद- महाराजगंज

जनपद- गोंडा

जनपद- बाराबंकी

हीटवेव प्रबंधन हेतु किए गए नवाचार

डिजिटल साइनेज बोर्ड के माध्यम से हीट वेव जन जागरूकता

जनपद में हीटवेव (लू) के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से डिजिटल साइनेज बोर्ड के माध्यम से व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत बोर्ड पर सरल और आकर्षक तरीके से लू से बचाव के संदेश प्रदर्शित किए गए, ताकि आमजन तक आवश्यक जानकारी सहजता से पहुंच सके। बोर्डों पर "धूप में अधिक देर न रहें", "पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं", "ढीले और हल्के रंग के कपड़े पहनें" जैसे उपयोगी सुझाव लिखे गए। यह प्रयास विशेष रूप से उन स्थानों पर केंद्रित रहा जहाँ लोगों की आवाजाही अधिक रहती है, जैसे बाजार, बस स्टेशन, विद्यालय और सार्वजनिक स्थल। इस पहल के माध्यम से समुदाय में हीट वेव से बचाव के प्रति जागरूकता बढ़ी और नागरिकों को अपने स्वास्थ्य की सुरक्षा के प्रति सचेत रहने का प्रेरक संदेश मिला।

जनपद– फतेहपुर

तहसील– सदर, फतेहपुर– Lat-25.93391 Long- 80.79436

जिलाधिकारी कार्यालय– Lat-25.92785 Long- 80.802443

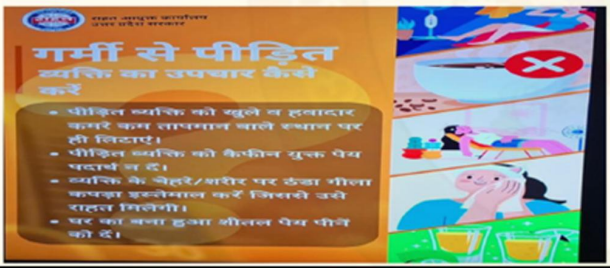

तहसील– बिंदकी, फतेहपुर– Lat-26.03785 Long- 80.57915

तहसील– खागा, फतेहपुर– Lat-25.76797 Long- 81.10170

जनपद हाथरस में कार्टून पोस्टर के माध्यम से हीट वेव जन जागरूकता

जनपद हाथरस में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा हीट वेव (लू) के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के लिए कार्टून पोस्टरों के माध्यम से एक प्रभावी अभियान चलाया गया। इस पहल का उद्देश्य आमजन, विशेषकर बच्चों और ग्रामीण समुदाय को सरल और रोचक माध्यम से लू से बचाव के उपायों की जानकारी देना था। कार्टून पोस्टरों में आकर्षक चित्रों और छोटे संदेशों के जरिए यह बताया गया कि गर्मी के मौसम में क्या सावधानियाँ अपनानी चाहिए, जैसे – धूप में अनावश्यक बाहर न निकलना, हल्के कपड़े पहनना, अधिक मात्रा में पानी पीना और छायादार स्थानों पर रहना। यह पहल लोगों को सहज और मनोरंजक तरीके से गंभीर विषय के प्रति जागरूक करने का एक प्रभावी उदाहरण बनी, जिससे समुदाय में हीट वेव से बचाव के प्रति सकारात्मक संदेश प्रसारित हुआ।

गोमती रिवर फ्रन्ट पर गोमती पुस्तक मेला में उपस्थित होने वाले छात्र-छात्राओं को जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा विभिन्न प्रकार की आपदाओं के सम्बन्ध में जागरूक किया गया।

गोमती रिवर फ्रंट पर आयोजित गोमती पुस्तक मेले में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा उपस्थित छात्र-छात्राओं को विभिन्न प्रकार की आपदाओं के संबंध में जागरूक किया गया। इस अवसर पर अधिकारियों ने भूकंप, आग, बाढ़, लू, ठंड की लहर जैसी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान अपनाए जाने वाले सावधानियों और त्वरित प्रतिक्रिया उपायों की जानकारी दी। छात्रों को सरल और रोचक तरीके से बताया गया कि आपदा के समय घबराने के बजाय सतर्क रहना और सही कदम उठाना कितना आवश्यक है। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें समाज के जागरूक नागरिक के रूप में तैयार करना था, ताकि वे आपात स्थितियों में स्वयं की सुरक्षा के साथ दूसरों की भी मदद कर सकें।

जनपद महोबा स्कूल में छात्र-छात्राओं को जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा विभिन्न प्रकार की आपदाओं के सम्बन्ध में जागरूक किया गया।

जनपद महोबा में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा विद्यालय में छात्र-छात्राओं को विभिन्न प्रकार की आपदाओं के संबंध में जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में आपदा के समय सजगता, सुरक्षा उपायों की जानकारी और आत्मरक्षा की भावना विकसित करना था। अधिकारियों ने भूकंप, आग, बाढ़, लू और अन्य प्राकृतिक आपदाओं के दौरान किए जाने वाले आवश्यक कदमों के बारे में जानकारी दी। छात्रों को "करें और न करें" (Do's and Don'ts) के माध्यम से व्यावहारिक उदाहरणों सहित बताया गया कि आपदा के समय घबराए बिना कैसे सुरक्षित रहना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को आपदा प्रबंधन की महत्ता और सामुदायिक सहभागिता की भूमिका के बारे में भी समझाया गया, ताकि वे स्वयं के साथ-साथ दूसरों की भी सहायता कर सकें।

राज्य के सभी जिला और ब्लॉक स्तर के अस्पतालों में शीतगृहों की स्थापना

राज्य के सभी जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अस्पतालों में कोल्ड रूम की स्थापना की जा रही है। इस पहल का उद्देश्य तापमान-संवेदनशील दवाओं, वैक्सीन, रक्त एवं अन्य चिकित्सीय सामग्री के सुरक्षित भंडारण को सुनिश्चित करना है। कोल्ड रूम की उपलब्धता से स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा तथा आपातकालीन परिस्थितियों में आवश्यक दवाओं की उपलब्धता निर्बाध रूप से बनी रहेगी। यह व्यवस्था विशेष रूप से हीटवेव, महामारी या किसी भी आपदा के समय स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत और सक्षम बनाएगी। इस कदम से राज्य के सभी अस्पतालों में स्वास्थ्य प्रबंधन अधिक संगठित, सुरक्षित और समयबद्ध रूप में संचालित हो सकेगा।

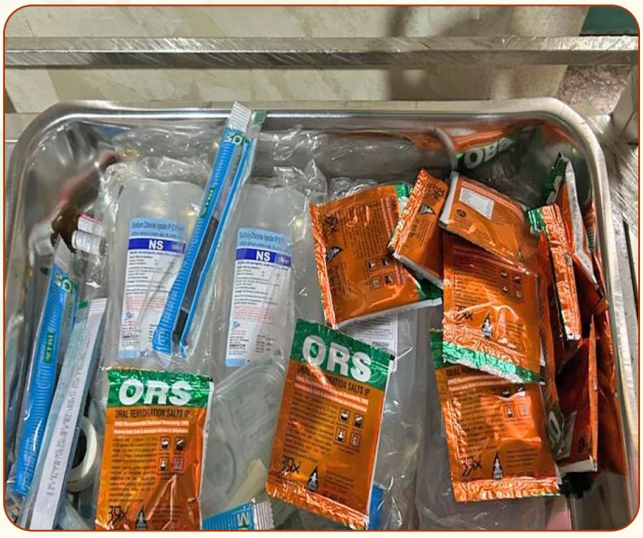

जनपद इटावा ने हीटवेव के दौरान पक्षियों के घर व पेय जल के लिए 500 एमएस कैन खरीदे।

जनपद इटावा प्रशासन द्वारा पर्यावरण संरक्षण और जीव-जंतुओं की सुरक्षा के प्रति एक सराहनीय पहल की गई है। जिले में पक्षियों को सुरक्षित और ठंडक भरा आश्रय देने के उद्देश्य से 500 एमएस कैन खरीदे गए हैं। इन कैनों को पुनः उपयोग में लाकर पक्षियों के लिए छोटे-छोटे घर और पानी के बर्तन तैयार किए जा रहे हैं, ताकि विशेष रूप से गर्मी के मौसम में पक्षियों को पीने का पानी और विश्राम का स्थान मिल सके। यह कदम न केवल पक्षियों को राहत प्रदान करेगा, बल्कि लोगों में पर्यावरण और जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने का भी कार्य करेगा। इन पक्षी-घरों को विद्यालयों, पंचायत भवनों, पार्कों और सार्वजनिक स्थलों पर लगाया जाएगा, जिससे समुदाय की सीधी भागीदारी सुनिश्चित हो सके। यह पहल "रीयूज, रीसायकल और रेस्क्यू" की भावना को साकार करती है और स्थायी विकास की दिशा में एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करती है।

आपदा समाचार

उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (UP SDMA)

हारेगी गर्मी जीतेगा प्रदेश

लू/उष्माघात जानलेवा हो सकता है, इससे बचाव ही उपचार है

REST
अधिक परिश्रम के
मध्य विश्राम अवश्य करें

AVOID
चाय, कॉफी
एवं शराब न पियें

प्यास की इच्छा
न होने पर भी
पानी पीये

LIMIT
अधिक गर्मी में
व्यायाम न करें

BE COOL
अधिक धूप में
बाहर न जाये तथा
पंखे के नीचे बैठें

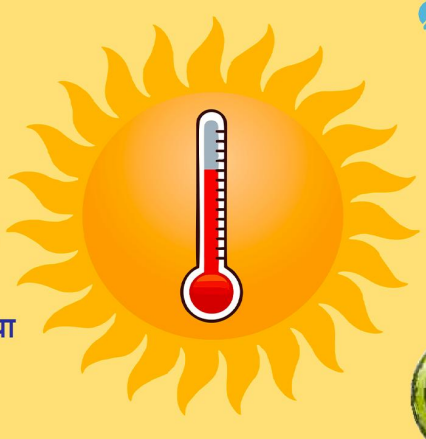

SOAK
शरीर अधिक गर्म
लगने पर स्नान करें

EAT FRESH
ठंडक प्रदान करने
वाले फल खायें

LOOSE DRESS
हल्के/सफेद रंग
के तथा ढीले सूती कपड़े पहनें

SEEK SHADE
छाया में बैठें

CHECK ON OTHERS
वृद्धों एवं बच्चों
का विशेष ध्यान रखें

उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जनहित में जारी

Address: B-1 Block, PICUP Bhawan, PICUP Building Road, Vibhuti Khand,
Gomti Nagar, Lucknow, Uttar Pradesh, 226010

upsdma@gmail.com 0522-2306882

For more information, visit our web at www.upsdma.up.nic.in